जनपद पौड़ी गढवाल में एन0 एच0 बैण्ड से कोठिला–खिटोटिया मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. निर्माण खण्ड, लोक निमार्ण विभाग बैजरो के अन्तर्गत 6.025 कि0मी0 लम्बाई में एन0 एच0 बैण्ड से कोठिला–खिटोटिया मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। मार्ग के लम्बाई हेतु प्रस्तावित समरेखन का , प्रदेश की ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण की सलाहकार एजेन्सी टैक्नीकल कन्सलटेन्सी सर्विसेज, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून के लिए लो0नि0वि0 के संम्बधित अभियन्ता एवं टी0सी0एस0 के प्रतिनिधि के साथ भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से निरीक्षण किया गया।

2. एन0 एच0 बैण्ड से कोठिला–खिटोटिया मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो संरेखणों पर विचार किया गया। संरेखण संख्या दो में अधिक हेयर पिन बैण्ड्स है एवं इसके अनुसार मार्ग की लम्बाई भी बढ़ जायेगी। अतः संरेखण संख्या एक के अुनसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। ज्ञात हुआ है कि स्थानीय ग्रामवासियों की सहमति भी संरेखण संख्या एक के लिए ही प्राप्त है। प्रस्तावित संरेखण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 121 के ग्राम कोठिला से आरम्भ होता है तथा निर्धारित 6.025 किमी0 लम्बाई में ग्राम खिटोटिया पहुॅच कर समाप्त होता है। प्रस्तावित संरेखण में 07 हेयर पिन बैण्डस दिये गये हैं। इनमें प्रथम दो बैण्ड्स के मध्य दूरी अपेक्षाकृत कम प्रतीत होती है, जबकि शेष बैण्डस दूरी लिए हुयें हैं। अवगत कराया गया कि समरेखन अलग–अलग भाग में नाप भूमि एवं वनभूमि से होकर गुजरता है। नाप भूमि में पहाडी ढ़लान सामान्यतः 20^{0} से 45^{0} के मध्य है जबकि वनभूमि में ढलान इससे अधिक प्रतीत होता है। कास सैक्शन 0/38–39 में स्थानीय गधेरे पर लघुसेतु (12 मी0) के तथा 2/5 में कलवर्ट (6 मी0) के निर्माण की आवश्यकता होगी। समरेखन क्षेत्र में मुख्यतः अर्थ एंड बोल्डर तथा मीडियम चट्टान हैं।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखतें हुए निम्न सुझाव दिये जा रहें है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाडी ढलान तीव्र है, वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ फिल टेक्नीक से कराया जा सकता है।

(ii) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये ।

(iii) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

(iv) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये ।

(V) जहॉ मार्ग कटान की ऊचांई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्डस पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित बेस्ट्र वाल का निर्माण कराया जाये ।

(vi) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाडी ढलान पर समुचित पौधौं का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूरक्षण की प्रक्रिया को नियन्त्रित रखा जा सके ।

(vii) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतू रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य क्रास ड्रनेज वर्क्स का प्रावधान किया जाये ।

(viii) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित डंपयार्ड में डाला जाये। खड्ड साईड में फेंकने से भूरक्षण की समस्या उत्पन्न हो सकती है ।

(ix) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें ।

एन0 एच0 बैण्ड से कोठिला–खिटोटिया मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 6.025 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिए उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है ।

टिप्पणीः–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है ।

H. Kumar

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून